सोना विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान

द्वारा संचालित

सोना मनोविकास केन्द्र

नोबल स्कूल के पीछे, कुवाड़ा रोड़
भीलवाड़ा (राज.)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20)

PROJECT REPORT RELATING TO THE PERIOD
TEACHING SESSION 2019 TO 2020

Run By :- SONA VIKLANG PUNARWAS AWAM SHODH SANSTHAN
BHILWARA [RAJ.]

PH. No. 73400-64651

1. पृष्ठभूमिः

संस्था सोना विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान भीलवाड़ा (राज.) द्वारा बौद्धिक अक्षमता के क्षैत्र में विशेष बच्चों के लिये वर्ष 1997 से सोना मंदबुद्धि विशेष विद्यालय के नाम से संचालित किया जा रहा था। मन्दबुद्धि शब्द सम्मानजनक नही होने के कारण सत्र 2011–12 से विद्यालय का नाम परिवर्तन करके सोना मनोविकास केन्द्र किया गया।

यह विद्यालय वर्तमान मे डे–केयर विद्यालय है। जिसमे इस शैक्षणिक सत्र् 2019–20 में 90 बच्चे प्रवेशरत थे और लगभग इतने ही अप्रवेशित बच्चो को होमबेस्ड प्रोग्राम के जरियें लाभान्वित किया गया है ।

2. STATEMENT SHOWING COMPOSITION OF THE MANAGING COMMITEE

Name & Postal Address of the Organisation: SONA VIKLANG PUNARWAS AWAM SHODH SANSTHAN, BHILWARA (RAJ.)

S.No.	Name of the Member of Managing Committee	Complete Residentail Address, & Telephone No.	Nature of Occuption	Educatio-nal Qualific-ation	Status in the Managing Commitee
1.	Shri Prem kumar Jain	D-155, R.K.Colony Bhilwara 94141-12526	Trade & Commerce	Hr. Secondary	President
2.	Shri Prakesh Chand Tolambia	10/176, Mahaveer Mohalla, Bhilwara 236700	Serviceman	Graduate	Vice President
3.	Shri Vivek Kumar Lohiya	Near Pratap Nagar Sr.H.S. School Bhilwara 244406	Businessman	Graduate	Secretary
4.	Smt. Madhu Kabra	Kashipuri Bhilwara 232104	Social Worker	Graduate	Jt. Secretary
5.	Shri Jadish Chandra Jaju	2-D-38, R.C. Vyas Colony Bhilwara	Businessman	Graduate	Treasure
6.	Shri Omparkash Jain	B-32 Shrinath Marg, Sanjay Colony, Bhilwara	Serviceman	Post Graduate	Asst. Treasure
7.	Shri Jaswantraj Singhvi	D-119, R.K. Colony Bhilwara 229596	Businessman	Graduate	Member
8.	Shri Neeraj kumar Jain	D-155 R.K.Colony bhilwara	Chartered Accountant	Graduate	Member
9.	Shri Anil Kumar Jain	Sadar Bazar, Jahaazpur Bhilwara	Businessman	Graduate	Member

3. छात्र–छात्राओं का आयु वर्गानुसार वर्गीकरण

क्र.सं.	कक्षा वर्ग	वास्तविक आयु वर्ग	मानसिक आय वर्ग	बालक	बालिकाऐं	योग
1.	प्री प्राईमरी –1st	3–6	3	02	08	10
2.	प्री प्राईमरी –IInd	3–6	3	10	01	11
3.	प्राईमरी –1st	7–10	5–7	07	04	11
4.	प्राईमरी –IInd A	9–14	5–7	10	–	10
5.	प्राईमरी –IInd B	9–14	5–7	11	01	12
6.	सैकण्डरी	11–14	7–9	10	–	10
7.	प्री. वोकेशनल–1st	15–18	9–11	08	–	08
8.	प्री. वोकेशनल– IInd A	15–18	9–11	03	06	09
9.	प्री. वोकेशनल– IInd B	15–18	9–11	03	06	09
	योग			**48**	**25**	**90**

प्रविष्ट बालक–बालिकाओं का वर्गीकरण वास्तविक आयु एवं मानसिक आयु (मेंटल ऐज) में निम्न तालिका में प्रदर्शित किया जा रहा है।

4. मूल्यांकन : मानसिक ह्रास (मेंटली रिटार्डेशन) :–

सभी बालक–बालिकाओं का विद्यालय द्वारा वर्ष में चार बार आधारभूत मूल्यांकन किया गया इसे टर्निनल असेसमेन्ट भी कहा जाता है। विद्यालय द्वारा असेसमेन्ट का कार्य निम्न प्रकार रखा गया है :–

टर्मिनल असेसमेन्ट

क्र. सं.	मूल्यांकन	मूल्यांकन तिथि
1.	आधारभूत मूल्यांकन	01–07–2019 से 06–07–2019
2.	प्रथम मूल्यांकन	01–10–2019 से 10–10–2019
3.	द्वितीय मूल्यांकन	06–01–2020 से 11–01–2020
4.	तृतीय मूल्यांकन	COVID -19 के कारण तृतीय मूल्यांकन नही किया गया।

रिटार्डेशन का आधार एवं रिटार्डेशन

क्र.सं.	रिटार्डेशन कैटेगरी	बुद्वि लब्धि	बालक	बालिकाऐं	योग
1.	माइल्ड	50 से 70	28	07	35
2.	मोडरेट	35 से 39	25	12	37
3.	सीवीयर	20 से 34	12	06	48
4.	प्रोफाउण्ड	20 से नीचे	–	–	–
योग		–	**65**	**25**	**90**

5. स्टॉफ :–

विद्यालय में कार्य कर रहे स्टाफ के सदस्यों की संख्या इस वर्ष तेरह थी इनमें ग्यारह अनुदानित कर्मचारी, शेष दो गैर अनुदानित कर्मचारी हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	पुरूष	महिलाऐं	योग
1.	अनुदानित कर्मचारी– डिप्लोमाधारी विशेष शिक्षक	04	03	07
2.	लेखाकार , व्यावसायिक प्रशिक्षिका	–	02	02
2.	चतुर्थ श्रैणी कर्मचारी ,स्वीपर	–	02	02
3.	गैर अनुदानित कर्मचारी – डिप्लोमाधारी विशेष शिक्षक सहायक अध्यापक एवं चतुर्थ श्रैणी कर्मचारी	02	02	04
	योग	**06**	**09**	**15**

6. विद्यालय का समय विभाग दर्शन :–

विद्यालय सदैव एक ही पारी मे चलाया जाता है इसका समय प्रातः 10.30 बजे से सांय 4:00 बजे तक रखा गया है।

समय विभाजन तालिका

क्र.सं.	समय विभाजन	प्रवृतियां
1.	प्रातः 10.30 से 11.00	प्रार्थना, योगा व सफाई आदि का निरीक्षण
2.	दिन 11.00 से 01:00	प्रशैक्षणिक व शैक्षणिक कार्य स्पीच थैरेपी
3	दिन 01:00 से 01.30	भोज्य, विश्राम व टॉयलेट आदि
4.	दिन 01.30 से 04:00	शैक्षिक प्रवृतियां, व्यावहारिक कार्य, खेल, क्रियात्मक कृत्य एवं फिजियोथैरेपी

7. शैक्षणिक गतिविधिया–

NO PARKING

8. विद्यालय में उपलब्ध कराई जाने वाली अन्य सुविधाऐं :–

विद्यालय इस बात के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा है कि इसमें पढने वाले विद्यार्थियों को सरकारी स्कूल अथवा अन्य एजेन्सियों से मिल सकने वाली सुविधाओं का पूरा पूरा लाभ मिले। इसमे निम्न सुविधाओ मे से विशेष रूप से विद्यालय ने सहयोग किया।

(1) विशेष योग्यजन पेन्शन – बच्चो की विकलांगता पेंशन शुरू करवाने मे सहयोग किया।

(2) रेल/बस – विद्यालय के सहयोग से राजस्थान रोड़वेज के बच्चो के रियायती स्मार्ट कार्ड बने एवं भारतीय रेल विभाग के रियायती पास बनवाने मे सहयोग किया।

(3) – विद्यालय गणवेश एवं जर्सिया मुफ्त दिलवाना – चैरिटेबल संस्थाऐं स्थानीय एवं जन सहयोग विद्यालय ने जरूरतमंद बच्चो को विद्यालय गणवेश निःशुल्क दिलवायी एवं साथ ही सभी बच्चो को जर्सिया भी दिलवायी गई।।

(4) – युनिक आई डी कार्ड बनवाने मे सहयोग किया।

9. योगा/खेलकूद –

योगा विद्यालय की ट्रैनिंग का एक महत्वपूर्ण अंग है। विद्यालय द्वारा प्रति दिन इस कार्य के लिए आधा घण्टे का समय दिया जाता है। विद्यालय के बच्चो ने इस वर्ष नेशनल स्तर पर एक कास्य मेडल व स्टेट लेवल मे बच्चो ने गोल्ड व सिल्वर मेडल जीते। निम्न खेलो का अभ्यास विद्यालय के प्रशिक्षित विशेष शिक्षकों द्वारा करवाया जाता है–

1. क्रिकेट 2. फुटबॉल 3. बेडमिण्टन 4. बोची 5. बॉलीबाल

6.बास्केटबॉल 7. एथलेटिक्स 8. केरम 9. रूमाल झपट्टा 10. शतरंज 11. लूडों 12. दौड़

13. सोफ्ट बॉल थ्रो चैयर रैस

G:\N

10. सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा स्थानीय स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन किया है जिसमें निम्न कार्यक्रम किये गये हैं।

1 जागरूकता रेली

2 नुक्कड नाटक

3 शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम

4 सेमीनार

5 प्रदर्शनी

इन कार्यक्रमो के माध्यम से समाज में व्याप्त विकलांगता के प्रति भ्रान्तियों को दूर करना व जागरूकता लाना है । जिससे की जो व्यक्ति समाज की मुख्य धारा से हट गये है उनको वापस समाज की मुख्यधारा में लाना है ।

11. पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षण :–

इस कार्य के लिए विद्यालय द्धारा निम्न लिखित व्यवसायों में पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है।

1. मोमबत्ती बनाना 2. लिफाफे बनाना 3. सिलाई एवं कटिंग 4. पेपर मेशी
5. गत्ते पेस्टिंग 6. थैली बनाना 7. ब्लॉक पेन्टिंग व टाई एण्ड डाई

12. भौतिक शारीरिक चिकित्सा –

मानसिक विकलांग बच्चों मे बैठने, चलने जैसी कुशलताओं का विकास सामान्य बच्चों की अपेक्षा धीमा होता है। उनमे 25 से 30 प्रतिशत बच्चों में सेरेबल पाल्सी व अन्य प्रकार की शारीरिक विसंगतियॉ होती है, इसका मूल्यांकन कर विद्यालय द्वारा थैरेप्टिक व्यायाम कराने की व्यवस्था की गई है। विद्यालय द्वारा अप्रवेशित मानसिक विकलांग बालक–बालिकाओं को भी निःशुल्क फिजियोथेरेपी प्रदान की जाती है।

13. स्पीच थैरेपी –

मानसिक विमंदित बच्चो में वाणी से सम्बन्धित समस्याये होती है जिसके अर्न्तगत अच्चो को विद्यालय द्वारा स्पीच थैरेपी देने की गई है । विद्यालय द्वारा समय –समय पर स्पीच थैरेपिस्ट बुलाकर इनका मूल्याकन कर इनका प्रोग्राम अनाया जाता है अप्रवेशित मानसिक विकलांग बालक–बालिकाओं को भी निःशुल्क स्पीच थैरपी प्रदान की जाती है ।

14. गृह आधारित कार्य योजना –

विद्यालय द्वारा गृह आधारित कार्य योजना के तहत ऐसे अभिभावक जो भीलवाडा शहर, ग्रामीण या अन्यत्र रहते है और अपनें बच्चे का विद्यालय मे प्रवेश नही करा पाए, उन बच्चों के लिए विद्यालय द्वारा गृह आधारित कार्य योजना के तहत केस का मूल्यांकन कर उसके लिए प्रबन्ध योजना बना कर ऐसे अभिभावकों को निःशुल्क लाभान्वित किया जा रहा है।

15. आयोजित उत्सव/समारोह दिवस –

आलोच्य वर्ष में राष्ट्रीय त्यौहारों में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाए गए । इन समारोहो में अभिभावकों, संस्था के प्रतिनिधिगणों व आम नागरिकों ने बडी संख्या में भाग लिया। जन प्रतिनिधि भी समय–समय पर विद्यालय के अतिथि बनते रहे है। इनके अलावा महापुरूषों की जयन्तियॉ भी विद्यालय अपने स्तर पर आयोजित करता रहा है। समारोहों मे विद्यालय के छात्र–छात्राओं से योगा, व्यायाम प्रदर्शन, विचित्र वेशभूषा,कविता, संगीत एवं लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया जिसे आगन्तुकों द्वारा काफी सराहा गया।

16. परियोजना (विद्यालय) का आंशिक फंडिंग एवं वर्ष का आय–व्यय –

विद्यालय पर होने वाले कुल व्यय की पूर्ति इसकी संचालक संस्था ''सोना विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान'' द्वारा राजस्थान सरकार से अनुदान एवं जन सहयोग से मिलाकर की जाती है।

17. आभार प्रदर्शन –

संस्था परिवार से जुडे उन महानुभावों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करना विद्यालय अपना कर्तव्य समझता है जो न केवल इनकी प्रवृतियों के विकास में गहरी रूचि लेते है, बल्कि समय–समय पर आर्थिक सहायता भी प्रदान करते रहते है।

अभिभावकों के प्रति भी विद्यालय बडा आभारी है जो न केवल आयोजित की जाने वाली ''अध्यापक अभिभावक परिषद'' की बैठकों में भाग लेते है व सारगर्भित चर्चा करते है, अपितु अपने अमूल्य सुझावों से भी लाभान्वित करते हैं।

आगामी वर्ष 2020–21 की योजना के मुख्य बिन्दु :–

1. नामांकन का लक्ष्य 100 रखा गया है ।
2. विभागीय नियमानुसार प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या मे इसी अनुपात से वृद्धि की जाएगी।
3. डेकेयर की स्थापना करना।
4. जन जागरूकता कार्यक्रमों को ओर बढावा देना ।
5. गृह आधारित कार्य योजना को और बढावा देना।

* इति शुभम *